धीरे धीरे बीती जाए उमर भव तरने का जतन तू कर

धीरे धीरे बीती जाए उमर,
भव तरने का जतन तू कर,
क्यो जग में भटके तू कही,
क्यो दर गुरू के आता नही,
धीरे धीरे बीती जाए उमर।bd।

तर्ज – धीरे धीरे बोल कोई सुन ना।

जोड़ ले तू सतगुरू चरणो से तार,
हो जाएगा घट मे तेरे उजियार-२,
हरि नाम भज,
दुनिया को तज,
क्यो जग में भटके तू कही,
क्यो दर गुरू के आता नही,
धीरे धीरे बीती जाए उमर।bd।

जीवन तेरा बीते है पल छिन,
पँछी तो उड़ जाएगा रे एक दिन-२,
ये सोच ले,
ये मान ले,
जो आज है कल होगा नही,
क्यो दर गुरू के आता नही,
धीरे धीरे बीती जाए उमर।bd।

मेरे मनवा अब तो नीद से जाग,
ये तन एक दिन हो जाएगा खाक-२,
निदिया को तज,
हरि नाम भज,
ये खाली स्वाँसे जा रही,
क्यो जग में भटके तू कही,
धीरे धीरे बीती जाए उमर।bd।

धीरे धीरे बीती जाए उमर,
भव तरने का जतन तू कर,
क्यो जग में भटके तू कही,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

क्यो दर गुरू के आता नही,
धीरे धीरे बीती जाए उमर।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com